RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 8 अंक : 02 | लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2024 से 5 सितम्बर 2024 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

Authorised Importers and Distributors: Shetala Agencies Pvt Ltd

Chennai - 044-42125158, Bangalore – 9900015547, Kerala – 9176669842, Mumbai – 9619825776, Delhi - 8105409366, Kolkatta - 9830375753, Hyderabad – 9700885776

Authorised Service Centres: SOUTH: Chennai, Shetala Cameras 9444401805, Camera Service Centre : 8056151501
Bangalore: Shetala Cameras 9900015547, Sri Benaka Enterprises: 9620086170, Kerala Camera Scan: 9447212721, Hyderabad: Shetala Camera: 9700888576, Sri Venkateswara Electronics 9912709000,
WEST: Prabhakar Service Centre, Mumbai 9167110317, J.K.Electronics: 9819046288, **EAST:** Capital Enterprise (P) Ltd, Kolkatta 033-22282020. **NORTH:** Omax Camera Care, Delhi. 9810965674

सम्पादक की कलम से ...

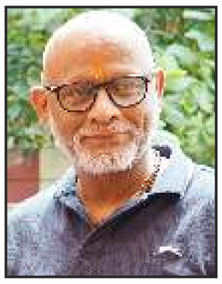

मेरे फोटोग्राफर साथियो,

स्टूडियो न्यूज़ के अगस्त 24 अंक के साथ हम आपके समक्ष हैं। आजकल लगभग सभी फोटोग्राफर आधुनिक उपकरणों से परिचित हैं और इसका उपयोग अपने काम को बनाने, दिखाने और सुधारने के लिए करते हैं। फोटोग्राफी में कैमरे, लेंस, कंप्यूटर जैसे आवश्यक उपकरण हैं, साथ ही कुछ पूरक उपकरण भी हैं। आज के समय की फोटोग्राफी, कला और उपकरणों का सही तरीके से उपयोग का मिश्रण है। इन सब उपकरणों का इस्तेमाल आपकी कार्यशैली और उन तस्वीरों पर निर्भर करता है जिन्हें आप बनाना चाहते हैं। फोटोग्राफी तकनीक पिछले एक दशक में तेजी से बदली है, अतीत में कुछ चुनिंदा प्रशिक्षित विशेषज्ञ ही फोटोग्राफी में रूचि लेते थे, क्योंकि उपकरण और प्रबंधन में पर्याप्त ज्ञान की आवश्यकता होती थी। आज फोटोग्राफी कहीं अधिक उपयोगकर्ता के अनुकूल हो गई है और फोटोग्राफी में आम लोगो का रूझान भी अधिक हुआ है जिससे यह क्षेत्र अब प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स तक सीमित नहीं है! अतएव साथियो चुनौतियाँ अधिक है, मोबाइल में कैमरा के आने से हर व्यक्ति फोटोग्राफर है इसलिए वो प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स से सामान्य से ऊपर के स्तर के कार्य की उम्मीद करता है। उच्च स्तर के कार्य करने के लिए ये जरूरी हो जाता है कि फोटोग्राफर साथी जिस उपकरण का उपयोग करें उसकी तकनीकी जानकारी उसको होना आवश्यक है। तकनीकी दृष्टिकोण सुदृढ़ होने से ही फोटोग्राफी के क्षेत्र में आपकी उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपने काम को सोशल मीडिया पर प्रमोट करें और वहां पर अपने फॉलोअर्स से इंटरैक्ट करें। पेशेवर सामग्री और नियमित पोस्टिंग से आप अपनी उपस्थिति मजबूत कर सकते हैं।

फोटोग्राफी क्षेत्र से जुड़े सभी लोगो को तकनीकी रूप से सुदृढ़ करने एवं आपस में मिलने-मिलाने का कार्य फोटो एक्सपो ने किया है। आने वाले दिनों में बहुत से राज्यों में फोटो एक्सपो होने जा रही है, सभी फोटोग्राफर्स इन फोटो एक्सपो में जरूर जाये। फोटो एक्सपो में भाग लेने से फोटोग्राफर्स को कई लाभ मिलते हैं। सबसे पहले, यह उन्हें नेटवर्किंग का मौका देता है, जिससे वे अन्य प्रोफेशनल्स, संभावित क्लाइंट्स, और गैलरी मालिकों से संपर्क कर सकते हैं। इससे उनके लिए नए अवसर पैदा होते हैं। दूसरा, एक्सपो में अपने काम को प्रदर्शित करने से उन्हें मान्यता मिलती है और उनके काम की सराहना होती है, जो उनके करियर को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकती है। तीसरा, अन्य फोटोग्राफर्स के काम को देखकर और उनसे बातचीत करके उन्हें नई प्रेरणा और तकनीकें सीखने का मौका मिलता है। इसके अलावा, एक्सपो में भाग लेना उनकी ब्रांड पहचान को मजबूत करता है और उन्हें एक प्रतिष्ठित फोटोग्राफर के रूप में स्थापित करने में मदद करता है। एक्सपो में होने वाली कार्यशालाओं और सेमिनारों से उन्हें नए कौशल सीखने और अपने ज्ञान का विस्तार करने का अवसर मिलता है। कुल मिलाकर, फोटो एक्सपो फोटोग्राफर्स के लिए पेशेवर और व्यक्तिगत विकास के कई अवसर प्रदान करता है।

फोटोग्राफर्स साथियो 19 अगस्त को **'फोटोग्राफी डे'** है, फोटोग्राफी डे के इस खास मौके पर आप सभी को बधाई और शुभकामनाएँ! आज हम आपकी कड़ी मेहनत, क्रिएटिविटी, और अद्वितीय दृष्टिकोण का सम्मान करते हैं, जो आपने अपनी तस्वीरों के माध्यम से दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है। इस खास दिन पर, आइए हम अपने जुनून और प्रेम को फिर से संजोएं और नई प्रेरणा प्राप्त करें। नई तकनीकों को अपनाएं, अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाएं और अपनी अनूठी दृष्टि के साथ इस खूबसूरत दुनिया को और भी सुंदर बनाएं।

शेष अगले अंक में। आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे ऐसी ईश्वर से कामना हैं। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक दूरभाष 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते हैं।

सुरेंद्र सिंह बिष्ट, सम्पादक

इंडिया फोटो & वीडियो एक्सपो 2024 का पोस्टर लांच

फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश एवं बाईसेल इंट्रेक्शंस प्रा.लि. द्वारा लखनऊ में 6 से 8 सितम्बर 2024 को आयोजित होने वाले 'इंडिया फोटो एण्ड वीडियो एक्सपो' के तृतीय संस्करण के पोस्टर का अनावरण माननीय उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ब्रजेश पाठक ने 24 जुलाई 2024 को किया।

मा. उप मुख्यमंत्री को PAUP के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चंद्र वर्मा, महासचिव सुरेंद्र सिंह बिष्ट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास बाबू एवम प्रदेश प्रवक्ता दीपक कपूर ने पुष्पगुच्छ भेंट किया। कार्यक्रम में लखनऊ इकाई के अध्यक्ष अमर सिंह, महामंत्री आशीष श्रीवास्तव, रतन शर्मा, पिंकू शुक्ला, जागीर हुसैन, दिलीप मौर्या आदि उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

Canon ने EOS R1 फ्लैगशिप कैमरा खेलों और फोटोजर्नलिज्म के लिए लॉन्च किया

Canon ने दो नए, सबसे अच्छे स्तर के फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरे पेश किए हैं: EOS R1 और EOS R5 मार्क II। EOS R1 खासतौर पर उन लोगों के लिए बनाया गया है जो प्रोफेशल फोटो या वीडियो बनाते हैं। चाहे आप खेल की तस्वीरें लेना चाहते हों, खबरों की कवरेज करना हो या बेहद अच्छी क्वालिटी के वीडियो बनाना हो, ये कैमरा आपके लिए है।

दूसरा कैमरा, EOS R5 मार्क II, उन लोगों के लिए है जो वीडियो बनाने में माहिर हैं। साथ ही, जो लोग तस्वीरें लेने पर ध्यान देते हैं, उनके लिए भी इसमें एक नई तकनीक है जिससे वो चलती हुई चीज़ों पर आसानी से फोकस कर सकते हैं।

Adobe ने कैमरा RAW, लाइटरूम और फोटोशॉप में एक नई सुविधा CAI 'कंटेंट क्रेडेंशियल्स' जोड़ी है

Adobe ने कैमरा रॉ और फोटोशॉप में एक नई सुविधा शुरू की है जिसे 'अर्ली एक्सेस' कहा जाता है। यह सुविधा आपकी तस्वीरों में कुछ विशेष जानकारी जोड़ती है जो बताती है कि आपने उनमें क्या-क्या बदलाव किए हैं।

Adobe अब ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश कर रहा है जिससे आप अपनी तस्वीरों में एक तरह का डिजिटल हस्ताक्षर जोड़ सकें। यह हस्ताक्षर बताएगा कि तस्वीर कहाँ से आई, उसमें क्या-क्या बदलाव किए गए हैं, और क्या उसमें किसी तरह का कृत्रिम बुद्धि (AI) का इस्तेमाल किया गया है या नहीं। इस सुविधा को कैमरा रॉ, लाइटरूम और फोटोशॉप में जोड़ा जा रहा है, लेकिन अभी तीनों में थोड़ा-थोड़ा अंतर है।

SONY ने 16-50mm F3.5-5.6 PZ OSS II किट ज़ूम लेंस लॉन्च किया

SONY ने अपने छोटे और जल्दी बंद होने वाले किट ज़ूम लेंस E PZ 16-50mm F3.5-5.6 OSS का एक नया संस्करण, E PZ 16-50mm F3.5-5.6 OSS II लॉन्च किया है।

नए संस्करण में एक नया कंट्रोल चिप लगा है जिससे आप ज़ूम करते हुए भी फोकस कर सकते हैं और यह सोनी के नए ऑटोफोकस (AF) सिस्टम के साथ काम करता है। इसका मतलब है कि यह तस्वीरें लेते समय या वीडियो शूट करते समय 120 फ्रेम प्रति सेकेंड तक की स्पीड से ऑटोफोकस कर सकता है। इसके अलावा, यह लेंस अपने स्टेबलाइज़र सिस्टम की जानकारी कैमरे को भेजता है जिससे दोनों एक साथ बेहतर काम करते हैं।

इस नए लेंस में धातु की जगह प्लास्टिक का माउंट इस्तेमाल किया गया है जिससे इसका वज़न 116 ग्राम से घटकर 107 ग्राम हो गया है।

Richo ने Pentax K-1 और K-1 II कैमरों के लिए फर्मवेयर 2.50 जारी किया

Richo ने हाल ही में Pentax K-1 और K-1 II कैमरों के लिए एस्ट्रोफोटोग्राफी फीचर्स के साथ फर्मवेयर 2.50 जारी किया है। यह अपडेट भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर अलग-अलग सुविधाएं प्रदान करता है। अंग्रेजी फर्मवेयर पेज पर "Improve stability for general performance" बताया गया है, जबकि जापानी फर्मवेयर पेज के अनुसार, इस अपडेट में "एस्ट्रोनॉमिकल फोटो असिस्ट" नाम की एक विशेष सुविधा भी दी गई है, जिसमें खगोलीय फोटोग्राफी के लिए तीन नई सुविधाएं 'स्टार AF', 'रिमोट कंट्रोल फोकस फाइन एडजस्टमेंट' और 'एस्ट्रोनॉमिकल इमेज प्रोसेसिंग' शामिल हैं। फिलहाल एस्ट्रोफोटोग्राफी फीचर्स अभी जापान में ही उपलब्ध है।

Sigma लेंस के नए सॉफ्टवेयर अपडेट से Sony a9 III कैमरा में प्रति सेकेंड 120 फ्रेम की तस्वीरें ले पाएंगे (कुछ शर्तों के साथ)

Sigma ने अपने तीन लेंसों - 50mm F1.4 DG DN, 105mm F2.8 DG DN मैक्रो, और 14-24mm F2.8 DG DN के लिए नए सॉफ्टवेयर अपडेट जारी किए हैं। इन अपडेट की वजह से ये लेंस Sony a9 III कैमरा में प्रति सेकेंड 120 फ्रेम की तस्वीरें ले पाएंगे, लेकिन इसमें एक बड़ी रूकावट है। अब तक, सोनी ने अपने अल्फा मिररलेस कैमरों में दूसरे कंपनियों के लेंसों से तस्वीरें लेने की स्पीड को सिर्फ 15 फ्रेम प्रति सेकेंड तक ही सीमित रखा था। इसलिए, अब एक ऐसा सॉफ्टवेयर अपडेट आया है जिससे दूसरे कंपनियों के लेंस भी 120 फ्रेम प्रति सेकेंड की स्पीड से तस्वीरें ले सकते हैं। लेकिन, इस अपडेट में कुछ सीमाएं भी हैं। यह सिर्फ AF-S और मैनुअल फोकस मोड में ही काम करेगा।

Tamron ने फुल-फ्रेम E-माउंट कैमरों के लिए 28-300mm F4-7.1 Di III VC VXD सुपरजूम लेंस पेश किया

Tamron ने Sony E-माउंट वाले फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरों के लिए एक नया 28-300mm F4-7.1 Di III VC VXD (मॉडल A074) ज़ूम लेंस पेश किया है। यह लेंस एक ही लेंस में 28mm के वाइड एंगल से लेकर 300mm के टेलीफोटो तक की दूरी को कवर करता है और बेहतरीन तस्वीरें लेने की क्षमता रखता है।

Panasonic LUMIX S9: सबसे छोटा और हल्का फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरा

Panasonic ने भारत में बेहतरीन फीचर्स के साथ फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरा LUMIX S9 लॉन्च किया है। इस कैमरे से आप हाई फीचर्स के साथ बेहतरीन क्वालिटी में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कर सकते हैं। यह कैमरा कंटेंट क्रिएटर्स के लिए बहुत उपयोगी है क्योंकि यह अब तक का सबसे छोटा और हल्का होने के कारण आसानी से अपने साथ कहीं भी ले जाने वाला फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरा है, इसका वजन लगभग 403 ग्राम है।

कैमरा रियल-टाइम ऑटोफोकस (AF) और फेज डिटेक्शन ऑटोफोकस (PDAF) को सपोर्ट करता है। यह कैमरा LUMIX Lab ऐप का यूज करके WiFi के जरिए से सीधे आपके स्मार्टफोन पर इमेज और वीडियो को तेजी से शेयर करने में सपोर्ट करता है।

इसमें MP4 Lite नामक एक नया वीडियो रिकॉर्डिंग मोड भी दिया गया है जो स्मार्टफोन के लिए अनुकूलित हाई-रिजॉल्यूशन और हाई क्वालिटी वाले वीडियो को कैप्चर करता है। जो खासतौर पर सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करने के लिए बनाया गया है।

LUMIX S9 चार रंगों - जेट ब्लैक, क्रिमसन रेड, डार्क ऑलिव और नाइट ब्लू में उपलब्ध है। Panasonic LUMIX S9 कैमरे की कीमत सिर्फ बॉडी के लिए 1,49,990 रूपये और 20-60mm किट लेंस के साथ 1,79,990 रूपये है।

Nikon ने Nikon Imaging Cloud शुरू की

Nikon ने फोटोग्राफरों के वर्कफ़्लो को बेहतर बनाने के लिए निकॉन इमेजिंग क्लाउड की घोषणा की है, यह एक फ्री सर्विस है, जो कैमरे से सीधे क्लाउड पर फोटो भेजने में मदद करती है। निकॉन इमेजिंग क्लाउड द्वारा अपने आप फोटो का बैकअप लेना, दूसरी कंपनियों के फोटो स्टोरेज और एडिटिंग प्रोग्राम से जुड़ाव और कैमरे के लिए नया सॉफ्टवेयर (firmware) अपडेट देना है।

इस क्लाउड की खास बात है कि एक बार सेटअप करने के बाद, कैमरा से अपने आप फोटो क्लाउड पर अपलोड हो जाएंगी। इससे फोटोग्राफरों को यह फायदा होगा कि उनकी फोटो सुरक्षित रहेंगी, और दूसरों के साथ शेयर करने में आसानी रहेगी साथ ही यह 30 दिनों तक असीमित स्टोरेज देता है और कैमरे को अपडेटेड रखने में भी मदद करता है।

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2024 से 5 सितम्बर 2024

मेरे विचार में फोटोग्राफी रात में चुपचाप, दबे पावँ रसोई में जाकर ओरियो कुकी खाने के समान है। - डायना अर्बुस

CELEBR8
the MAGICAL INDIAN WEDDING WITH EOS R8

Canon
Delighting You Always

फोटोग्राफर्स और वीडियोग्राफर्स के लिए आदर्श कैमरा, जिन्हें कुछ हल्का, न्यूनतमवादी, शक्तिशाली लेकिन पोर्टेबल और भविष्योन्मुखी चाहिए।

मूवी

शानदार वीडियो बनाएं

4K UHD 60p मूवी में रंगों को बदलने के लिए 6K ओवरसैंपलिंग का उपयोग करके संसोधित किया जाता है। आप अपने दर्शकों को आश्चर्यचकित करने के लिए शानदार 4K में टाइम-लैप्स वीडियो भी रिकॉर्ड कर सकते हैं।

मूवी डिजिटल IS

लेंस IS और Movie Digital IS द्वारा कोआर्डिनेट नियंत्रण के माध्यम से चलते समय मूवी रिकॉर्ड करते समय आमतौर पर होने वाले कैमरा कंपन को समाप्त कर उन्नत स्थिर फुटेज प्राप्त करें।

जब चयनित RF लेंस के साथ उपयोग किया जाता है जो कोआर्डिनेट नियंत्रण IS का समर्थन करता है।

1) Horizontal Direction
2) Vertical Direction
3) Yaw Axis
4) Pitch Axis
5) Roll Axis

आनंददायक पलों को नाटकीय प्रभाव दें

उच्च फ्रेम दर, Full HD 180p मूवी रिकॉर्डिंग के साथ एक्शन के प्रभाव को धीमा करके सुपर स्लो-मोशन प्रभाव द्वारा अपनी कहानी कहने को पूरा करता है।

हाई स्पीड शूटिंग

फुल AF/AE ट्रैकिंग के साथ 40 फ्रेम प्रति सेकंड तक की निरंतर शूटिंग गति के साथ विशेष पलों या हाई-स्पीड एक्शन को कैप्चर करें।

फोकस

EOS iTR AF X
विषय का पता लगाना

डीप लर्निंग प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित एल्गोरिदम का उपयोग करते हुए, EOS iTR AF X (इंटेजीजेंट ट्रैकिंग एण्ड रिकॉगनिशन ऑटोफोकस) द्वारा तेजी से आगे बढ़ने वाले विषय-वस्तुओं का आसानी से पता लगाने और ट्रैकिंग की अनुमति देता है जिससे आप अपनी रचना पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

EOS iTR AFX उन्नत विषय पहचान और ट्रैकिंग

विश्वसनीयता

गलत रंग की पहचान में सहायता

सिनेमा EOS सिस्टम में सही एक्सपोजर स्थिति को पहचानने के लिये व्यापक रूप से उपयोग किये जाने वाला फंक्शन EOS R8 में भी उपलब्ध है, जिससे आप अपने वीडियो में उत्तम एक्पोज़र पाने के लिए ठीक कर सकते हैं।

विस्तृत लेंस विकल्प

EOS R8 विशेष रूप से RF माउंट के लिए डिज़ाइन किए गए उच्च प्रदर्शन वाले वास्तविक RF/RF-S लेंस की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करता है। इसके अतिरिक्त, यह माउंट एडाप्टर के माध्यम से मौजूदा सभी EF और EF-S लेंस के साथ भी प्रयोग किया जा सकता है।

स्टिल्स

उच्च तसवीर गुणवत्ता

EOS R8 में DIGIC X इमेज प्रोसेसर द्वारा संचालित 24.2 मेगापिक्सल का फुल फ्रेम CMOS सेंसर है। जो चुनौतीपूर्ण प्रकाश स्थितियों में भी कम नॉयस के साथ स्पष्ट और उच्च गुणवत्ता वाली तसवीरें को कैप्चर करने में सक्षम है।

फोटोशॉप में कलर सेटिंग्स

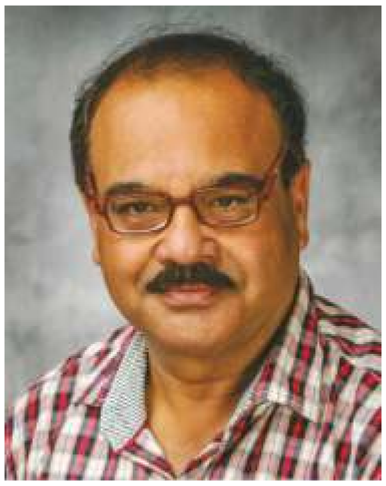

राजेन्द्र प्रसाद
ARPS (LONDON), FICS (USA)
HON FSAP (INDIA), ASIIPC (INDIA)
डिजिटल इमेजिंग डिवीजन इंडिया इंटरनेशनल फोटोग्राफिक काउंसिल नई दिल्ली के अध्यक्ष
Blog - https://digicreation-blogspot-com/

फोटोशोप ट्यूटोरियल के इस भाग में आपको कलर सेटिंग्स, कलर स्पेसेस, वर्किंग स्पेस, और Adobe और RGB कलर स्पेस के बारे में जानेंगे। जब हम अपनी फोटोग्राफ्स की एडिटिंग करते हैं तो फ़ोटोशॉप में कलर सेटिंग्स एडिटिंग के लिए उपलब्ध कलर की सीमा निर्धारित करते हैं। अधिक कलर उपलब्ध होने से हमें मॉनिटर स्क्रीन और प्रिंट दोनों में अधिक जीवंत बेहतर रंगो वाले फोटोग्राफ्स प्राप्त होते हैं। फोटोग्राफर्स फ़ोटोशॉप पर भरोसा करते हैं कि वह हमारे फोटोग्राफ्स को वैसे कलर में दिखायेगा जो सबसे उत्तम होगा पर यह जानकर आपको आश्चर्य हो सकता है कि फ़ोटोशॉप की डिफ़ॉल्ट कलर सेटिंग्स आपकी तस्वीरों को उस तरह से नहीं दिखाती जैसे उन्हें दिखना चाहिए। वास्तव में डिफ़ॉल्ट सेटिंग्स आपको कम रंग देती हैं। इस ट्यूटोरियल में हम देखेंगे कि एडोब क्यों सोचता है कि कम रंग बेहतर हैं। हम सीखेंगे कि फ़ोटोशॉप की कलर सेटिंग हम कैसे बदल सकते हैं और हम एक महत्वपूर्ण सेटिंग को देखेंगे जिसमें हमें रंगों की अपनी सीमा का विस्तार कर सकते हैं। मैं फ़ोटोशॉप सीसी का उपयोग कर रहा हूँ लेकिन फ़ोटोशॉप में कलर सेटिंग्स अब वैसी ही हैं जैसी वे सालों से हैं। इसलिए यदि आप फ़ोटोशॉप CS6 या उसके पहले के किसी वर्जन का उपयोग कर रहे हैं तो भी आप इस ट्यूटोरियल में बतलाये गए तरीको का इस्तेमाल कर सकते हैं।

फ़ोटोशॉप में कलर सेटिंग्स कहाँ से करे

फ़ोटोशॉप में एडिट मेनू से कलर सेटिंग्स बदला जा सकता है। स्क्रीन के ऊपर मेनू बार में एडिट मेनू पर क्लिक करें। फिर कलर सेटिंग्स चुनें जैसा की **स्क्रीन शॉट R1** में दिखलाया गया है।

कलर सेटिंग्स डायलॉग बॉक्स

यदि आपने पहले कभी कलर सेटिंग्स डायलॉग बॉक्स को नहीं देखा है, तो यह आपको भयभीत कर सकता है। लेकिन डरे नहीं, फ़ोटोशॉप की अधिकांश डिफ़ॉल्ट कलर सेटिंग्स ठीक होते हैं। वास्तव में केवल एक ही सेटिंग है जिसे हमें बदलने की आवश्यकता है।

डिफ़ॉल्ट रूप से, फ़ोटोशॉप एक पूर्व निर्धारित कलर सेटिंग्स का उपयोग करता है जिसे North America General Purpose 2 के नाम से जाना जाता है। वर्किंग स्पेस फ़ोटोशॉप को बताता है कि अलग-अलग परिस्थितियों के लिए किस कलर स्पेस का इस्तेमाल करना है। उदाहरण के लिए, फ़ोटोशॉप स्क्रीन पर छवियों को प्रदर्शित करने के लिए एक कलर स्पेस का उपयोग करता है। लेकिन यह प्रिंट के लिए एक अलग कलर स्पेस का उपयोग करता है। एक कलर स्पेस उपलब्ध रंगों की सीमा निर्धारित करता है। कुछ कलर स्पेस दूसरों की तुलना में रंगों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। एक कलर स्पेस प्रदान किये गए कलर रेंज को कलर गयेमुट (color gamut) के नाम से जाना जाता है। वर्किंग स्पेस के तहत आपको 4 विकल्प मिलते है **स्क्रीन शॉट 3**। ये विकल्प आरजीबी, सीएमवाईके, ग्रे और स्पॉट हैं। चार में से केवल पहले आरजीबी स्पेस पर ही हमें ध्यान देना है। ऐसा इसलिए है क्योंकि स्क्रीन पर हमारी छवियों को प्रदर्शित करने के लिए फ़ोटोशॉप आरजीबी स्पेस का उपयोग करता है। अन्य तीन विकल्प (सीएमवाईके, ग्रे और स्पॉट) को कमर्शियल प्रिंटिंग के लिए उपयोग में लाया जाता है। इसलिए जब तक आप एक कमर्शियल प्रिंटर पर काम नहीं कर रहे हैं, आप अपने डिफ़ॉल्ट सभी तीन विकल्प वैसे ही छोड़ सकते हैं।

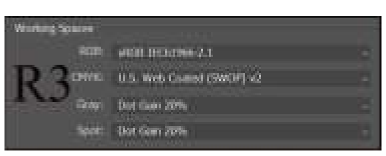

आरजीबी वर्किंग स्पेस

आइये आरजीबी स्पेस पर एक नजर डालते हैं। RGB लाल, हरा और नीला रंग को प्रदर्शित करता है। फोटोग्राफ को प्रदर्शित करने और एडिट करने के लिए फ़ोटोशॉप इसी स्पेस का प्रयोग करता है। लाल, हरा और नीला प्रकाश के तीन प्राथमिक रंग हैं। आपका कंप्यूटर, मॉनिटर, स्मार्ट फोन, टीवी और हर प्रकार की स्क्रीन एक RGB डिवाइस है। RGB डिवाइस स्क्रीन पर दिखाई देने वाले हर रंग को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न मात्रा में लाल, हरी और नीली रोशनी को मिलाते हैं। जब हम RGB वर्क स्पेस चुनते हैं तो फ़ोटोशॉप उसी के अनुसार रंगो को निर्धारित करता है।

sRGB कलर स्पेस

1996 में Hewlett-Packard और Microsoft द्वारा sRGB कलर स्पेस बनाया गया था। यह स्पेस साधारण कंप्यूटर मॉनीटर पर उपलब्ध रंगों की सीमा के आधार पर एक स्टैण्डर्ड के रूप में तैयार किया गया था। आज भी अधिकांश मॉनिटर केवल रंग की sRGB रेंज प्रदर्शित कर सकते हैं। इसी कारण sRGB वेब के लिए डिफ़ॉल्ट कलर स्पेस है। डिजिटल कैमरों में आमतौर पर डिफ़ॉल्ट कलर स्पेस sRGB ही निर्धारित होता है। वास्तव में, कई फ़ोटोग्राफ़र इस बात से अनजान हैं कि उनके कैमरे के मेन्यू में कलर स्पेस का विकल्प भी होता है। आपका होम इंकजेट प्रिंटर भी डिफ़ॉल्ट रूप से sRGB को फोटोग्राफ के प्रिंटिंग के लिए इस्तेमाल करता है। और यहां तक कि Commercial Color Labs आमतौर पर यह उम्मीद करती है कि आपने अपने फोटोग्राफ sRGB में सेव कर उन्हें दिया है।

इन सभी कारणों से, Adobe ने निर्णय लिया कि फ़ोटोशॉप के डिफ़ॉल्ट RGB वर्किंग स्पेस को sRGB पर सेट करना सबसे अच्छा है क्योकि sRGB एक सुरक्षित विकल्प है। लेकिन सुरक्षित विकल्प हमेशा सबसे अच्छा विकल्प नहीं होता है। जब फ़ोटोशॉप में छवि संपादन की बात आती है, तो "सुरक्षित" और "सर्वश्रेष्ठ" समान नहीं होते हैं। कारण यह है कि, चारों RGB कलर स्पेस की तुलना में sRGB में रंगों की सबसे छोटी रेंज होती है। sRGB कलर रेंज के एक तिहाई हिस्से को ही रिकॉर्ड कर सकता है जबकि Adobe RGB में लगभग उन सभी-सभी रंगो को रिकॉर्ड कर सकता है जो हमारी आँखें देख सकती हैं। यह अंतर ग्रीन और स्यान रंगो में ज्यादा नजर आता है।

मानव आँख बनाम sRGB बनाम एडोबी कलर स्पेस

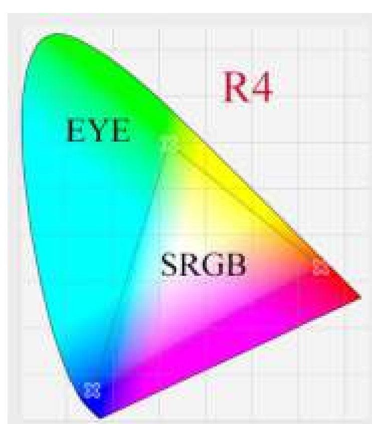

इसको समझने में के लिए, आइए **स्क्रीन शॉट R4** देखें। यह ग्राफ sRGB कलर स्पेस में काम करने के दौरान हमें उपलब्ध कलर रेंज दिखाता है। बाहरी, घुमावदार क्षेत्र उन सभी रंगों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें मानव आंख देख सकती है। बड़े आकार के अंदर एक छोटा त्रिकोण है। त्रिभुज के अंदर का क्षेत्र sRGB कलर स्पेस का प्रतिनिधित्व करता है।

त्रिकोण के बाहर का कोई भी रंग sRGB में उपलब्ध नहीं है। इसका मतलब यह है कि कई समृद्ध, अधिक संतृप्त और अधिक जीवंत रंग, विशेष रूप से हरा और स्यान, sRGB कलर स्पेस में अनुपलब्ध हैं। sRGB का बेहतर विकल्प एडोब आरजीबी है जो एडोब द्वारा 1998 में बनाया गया। एडोब आरजीबी sRGB की तुलना में रंगों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। इसे बनाने का मूल उद्देश्य यह था कि प्रिंट करने पर हमारे फोटोग्राफ बेहतर दिखें। कई उच्चकोटि के इंकजेट प्रिंटर में sRGB से Adobe RGB रंग स्थान पर बदलने की सुविधा होती है ताकि हमारे प्रिंट विस्तारित रंग रेंज से लाभ उठा सकें। डिजिटल कैमरे sRGB में उपलब्ध की तुलना में कहीं अधिक रंगों को कैप्चर करने में सक्षम हैं। बहुत से कैमरों विशेष रूप से डीएसएलआर में, एसआरजीबी से एडोब आरजीबी पर अपने डिफ़ॉल्ट रंग स्थान को बदलने का विकल्प होता है। यदि आप JPEGs शूट करते हैं, तो Adobe RGB फोटोग्राफ के अधिक रंगो को दिखायेगा। यदि आप अपनी छवियों को रॉ फाइलों के रूप में कैप्चर करते हैं, तो आपके कैमरे में कलर स्पेस सेटिंग से कोई फर्क नहीं पड़ता है। रॉ फाइलों में कलर स्पेस बाद में सेट की जा सकती है।

क्या आपको sRGB के स्थान पर Adobe RGB का प्रयोग करना चाहिए?

कई डिजिटल कैमरे Adobe RGB में इमेज कैप्चर कर सकते हैं। कई इंकजेट प्रिंटर उन रंगों को पुनः उत्पन्न कर सकते हैं जो केवल एडोब आरजीबी में उपलब्ध हैं। इन दिनों हाई-एंड कंप्यूटर मॉनिटर भी उपलब्ध हैं जो लगभग एडोब आरजीबी कलर रेंज प्रदर्शित कर सकते हैं। तो, क्या आपको Photoshop के RGB वर्किंग स्पेस को sRGB से Adobe RGB में बदल देना चाहिए? अधिकांश मामलों में, इसका उत्तर हां है। एडोब आरजीबी sRGB की तुलना में रंगों की एक बहुत व्यापक रेंज प्रदान करता है। तो अगर आपका कैमरा उन्हें कैप्चर कर सकता है और आपका प्रिंटर उन्हें प्रिंट कर सकता है, तो फ़ोटोशॉप को छोटे, sRGB कलर स्पेस तक सीमित क्यों करें?

एडोबी RGB के बजाय sRGB चुनने के कुछ कारण हैं, sRGB एक सुरक्षित विकल्प है इसलिए कंप्यूटर मॉनिटर, कैमरा और इंकजेट प्रिंटर सभी डिफ़ॉल्ट रूप से sRGB पर सेट होते हैं। इसके अलावा, वेब पर छवियों और ग्राफिक्स के लिए sRGB कलर स्पेस का ही इस्तेमाल होता है। यदि आप मुख्य रूप से अपनी तस्वीरों को ऑनलाइन प्रदर्शित करते हैं, तो आप sRGB को आप चुन सकते हैं। यदि आप एक वेब डिज़ाइनर हैं, तो भी sRGB आपके लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

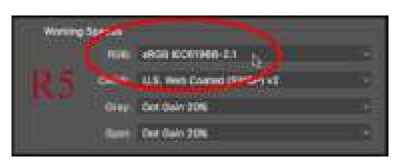

फ़ोटोशॉप को Adobe RGB में सेट करना

एडोब आरजीबी की विस्तारित रंग रेंज का लाभ उठाना शुरू करने के लिए, हमें बस फ़ोटोशॉप के आरजीबी वर्किंग स्पेस को बदलना होगा। इसके लिए "SRGB IEC61966-2.1" विकल्प पर क्लिक करें और विकल्पों में से Adobe RGB (1998) चुनें **स्क्रीन शॉट R6**।

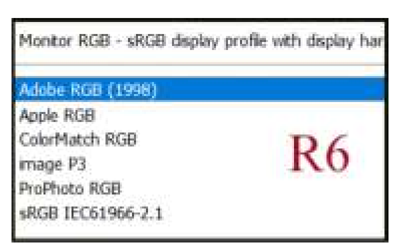

कलर मैनेजमेंट पालिसी

अब जब हमने फ़ोटोशॉप के RGB काम करने के स्थान को Adobe RGB में सेट कर दिया है, तो हमें फोटोशॉप के कलर मैनेजमेंट पालिसी को भी सही करना होगा।

भले ही हमने फ़ोटोशॉप को एडोब आरजीबी पर सेट किया है, पर आपको ऐसे फोटोग्राफ मिल सकते हैं जो sRGB में सेव किये गए थे। फ़ोटोशॉप उन छवियों को संभालने में सक्षम है जो एडोबी कलर स्पेस के अलावा अन्य कलर स्पेस का उपयोग करते हैं। डिफ़ॉल्ट रूप से, फ़ोटोशॉप केवल फोटो की मूल कलर प्रोफ़ाइल को वैसे ही रहने देगा छवि में रंग भी सही दिखेंगे, और आप छवि को सामान्य रूप से बिना किसी समस्या संपादित कर सकते हैं।

कलर मैनेजमेंट पॉलिसीज सेक्शन में हम फोटोशॉप को बताते हैं फोटोशॉप में खुलने वाले फोटोग्राफ की अगर कलर प्रोफ़ाइल मैच न करे तो वह उसको कैसे हैंडल करें। यहाँ हमें केवल यही सुनिश्चित करना है कि RGB, CMYK और Grey वर्किंग स्पेस Preserve Embedded Profile पर सेट हैं।

प्रोफ़ाइल मिसमैच और मिसिंग प्रोफ़ाइल चेकबॉक्स

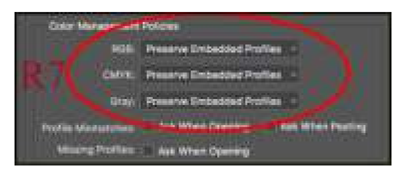

RGB, CMYK और Grey विकल्प के नीचे तीन चेकबॉक्स मिलते है यहाँ आप फोटोशॉप को यह निर्देश दे सकते है कि फोटो खोलने या पेस्ट करने के समय प्रोफाइल मिसमैच हो तो फोटोशॉप को क्या करना है या जहाँ छवि का कोई कलर प्रोफ़ाइल नहीं है तो वह वह क्या करे। वेब से डाउनलोड की गई छवियों में अक्सर उनके साथ जुड़ा रंग प्रोफ़ाइल नहीं होता है। यदि आप इन विकल्पों का चयन करते हैं, तो हर बार जब आप एक अलग कलर प्रोफ़ाइल के छवि खोलने के लिए जाते हैं, तो फ़ोटोशॉप पूछेगा कि वह इसे कैसे खोले इस प्रश्न से बचने के लिए और फ़ोटोशॉप को सामान्य रूप से छवियों को खोलने दें, इन विकल्पों को चेक न करें।

अपनी कलर सेटिंग को सेव करना

एक बार जब आप फ़ोटोशॉप की कलर सेटिंग को sRGB से Adobe RGB में बदल देते हैं, तो अपनी नई कलर सेटिंग को सेव कर लेना चाहिए। इसके लिए सेव बटन पर क्लिक करें, अपनी कलर सेटिंग को एक नाम दे जैसे मैंने My color setting नाम दिया है और फिर, सेव बटन क्लिक करें। सेव दबाने पर कलर सेटिंग्स कमेंट डायलॉग बॉक्स खुलेगा। यहाँ, आप अपनी सेटिंग्स के लिए एक विवरण दर्ज कर सकते हैं कि ये सेटिंग्स क्या हैं। अब आप ओके बटन पर क्लिक करें। आपकी कस्टम फ़ोटोशॉप कलर सेटिंग अब सेव हो गई हैं। अब आप उन्हें किसी भी समय फिर से सेटिंग्स विकल्प से चुन सकते हैं।

अब आप फ़ोटोशॉप को खोले और कलर सेटिंग्स, कलर स्पेसेस, वर्किंग स्पेस को बदल कर देखे।

Panasonic
LUMIX
facebook.com/lumixIndia/
twitter.com/lumix_india
instagram.com/lumixIndia
youtube.com/@Panasonic4KImagingClub
Service Helpline:
080-6984-1333
www.panasonic.com/in,
helpline@in.panasonic.com
For warranty claims, please visit
warranty.panasonclumix.in

फूड फोटोग्राफी में रंगो का संयोजन

स्मिता श्रीवास्तव
फूड स्टाइलिस्ट एंड फोटोग्राफर

आर्ट और फोटोग्राफी में रंग बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। सही रंगो का चयन जहाँ एक चित्र को मनमोहक बना सकता है वहीं गलत रंग संयोजन (कलर स्कीम) का इस्तेमाल करते ही अच्छे से अच्छा फ्रेम भी अपना आकर्षण खो देता है। हमारी इन्द्रियों और रंगो में गहरा सम्बन्ध है, कुछ रंगो को देख कर हमें ख़ुशी का एहसास होता है, जबकि फीके रंगो को देख कर मन बुझ सा जाता है। गहराई से रंगो को समझने पर कई आश्यर्जनक तत्त्व सामने आते हैं - जैसे कि रंगो का इस्तेमाल करके एक कलर थेरेपिस्ट रोगों का निवारण कर सकता है, रंगो का प्रयोग करके एक मनोवैज्ञानिक अपने मरीज़ की मानसिक स्थिति को भाँप सकता है या फिर एक विजुअल आर्टिस्ट सही रंगो का विज्ञापनों में चुनाव करके अपने क्लाइंट के प्रोडक्ट की सेल बढ़ा सकता है। विश्वास न हो तो अपने दिमाग पे ज़ोर दीजिये और याद करिये फ़ास्ट फ़ूड चेन्स के बाहर इस्तमाल हुए तीखे सुर्ख रंग या फिर एसी, कूलर या फ्रिज की दुकानों में बख़ूबी से इस्तेमाल हुए नीले सफ़ेद रंग। कितनी ही बार आपको इन दोनों के रंगो ने प्रभावित किया होगा और रंगो के असर से वशीभूत होकर आपने अपना पसंदीदा फ़ास्ट फ़ूड आर्डर किया होगा या उस इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की दुकान से सामान खरीदते समय रंगो की ठंडक को महसूस किया होगा।

उपरोक्त उदाहरणों की तरह फूड फोटोग्राफी में भी रंगो का बड़ा योगदान होता है और एक फोटोग्राफर का दायित्त्व उन रंगो को सही से उभारना होता है। जैसा कि हम सब जानते है कि फूड फोटोग्राफी का पूर्ण मकसद खाद्य पदार्थो के चित्रों द्वारा हमारी इन्द्रियों को सक्रिय करना होता है और सही रंगो का चयन इस कार्य को आसान कर देता है। लाल टोमेटो केचप की बोतल से साथ यदि कम लाल या पीले हरे टमाटर रख दिए जाये, या फिर यदि दाल या सब्ज़ी हल्की पीली लगे तो बेशक आप घर में उसे खा लोगे परन्तु आप उस चित्र में देखकर खरीदना या आर्डर करना कभी पसंद नहीं करेंगे क्योंकि वह फीके रंग आप की स्वाद कलिकाओं को सक्रिय नहीं कर पाएंगे।

आर्ट, क्राफ्ट या डिज़ाइन के आयामों की तरह फूड फोटोग्राफी में रंगो का सही चयन करने के लिए हमें कलर व्हील को अच्छे से समझना पड़ेगा, शुरूवात में यह थोड़ा मुश्किल सा प्रतीत हो सकता है परन्तु इस्तेमाल करते-करते कलर स्कीम्स दिमाग में खुद-ब-खुद बैठ जाएंगे। लेख में छपे कलर व्हील को काट के अपने पास रख लीजिये और शॉट की प्लानिंग करते हुए या प्रॉप्स और बैकग्राउंड का चयन करते हुए ज़रूर रेफर कीजिये, आपके साधारण से दिखने वाले शॉट्स थोड़ी सी प्लानिंग के साथ किसी पत्रिका या विज्ञापन के फूड शॉट से से कम नहीं लगेंगे।

फूड फोटोग्राफी में सही रंगो का चयन करने की पूरी प्रक्रिया को समझने से पहले हमें कलर व्हील और बेसिक कलर स्कीम्स को समझना बहुत ही आवश्यक है।

बेसिक कलर व्हील

कलर व्हील को मध्य 16वीं शताब्दी में महान वैज्ञानिक न्यूटन द्वारा दर्शाया गया था और यहीं से यह साबित हुआ कि सफ़ेद या प्योर लाइट को मुख्यता 7 रंगो में विभाजित किया जा सकता है - लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, इंडिगो और बैगनी। इन सातो रंगो को उसने 7 स्वरों से भी जोड़ कर अपनी थ्योरी को एक अलग स्तर दिया था। इसी कलर व्हील से अन्य कलर स्कीम्स का प्रादुर्भाव हुआ।

प्राथमिक रंग (प्राइमरी कलर्स)

कलर व्हील के तीन मुख्य रंग होते हैं - लाल, पीला और नीला जिन्हें हम प्राइमरी कलर्स कहते हैं। यह रंग अपने आप में परिपूर्ण होते है, जहाँ इन रंगो को मिश्रित करके सैकड़ो ही रंगो को बनाया जा सकता है, वहीं किसी भी रंग को मिला के इन्हें नहीं बनाया जा सकता है। सुर्ख और चटख होने की वजह से, यह रंग तीव्रता, रफ़्तार या आपातकालीन स्थिति को सूचित करते है।

द्वितीयक रंग (सेकेंडरी कलर्स)

यह कलर्स 2 प्राइमरी कलर्स को मिश्रित करके बनाये जाते हैं। पीला और नीला मिल कर जहाँ हरा बनता है वहीं नीले और लाल से बैगनी और लाल और पीले से नारंगी।

टश ... र्री (Te ... rti a r ... y) रंग

ये रंग एक प्राइमरी कलर और उस के समीप वाले एक सेकेंडरी कलर के मेल से बनते है। प्राइमरी या सेकेंडरी रंग के मात्रा में फेर-बदल कर के हम 6 टर्शरी (Tertiary) रंगो को बना सकते है जैसे लाल और नारंगी को लेके - red-orange, पीले और नारंगी को लेके yellow-orange, पीले और हरे को लेके yellow-green, नीले और हरे को लेके blue-green, नीले और बैगनी को ले के blue-violet और लाल और बैगनी को लेके red-violet।

वार्म एंड कूल कलर्स

कलर व्हील को हम मुख्यता 2 भागो में विभाजित कर सकते हैं - वार्म एंड कूल। किसी भी चित्र का मूड दर्शाने के लिए यह रंग बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। लाल, पीला और नारंगी वार्म कलर्स के अंतर्गत आते हैं और कूल कलर्स की उपेक्षा चटख, चमकीले और हमारी इन्द्रियों को उत्तेजित करने वाले होते हैं। यह रंग हमें फेस्टिव फील, वार्मथ और ख़ुशी जैसे तीव्र भावों का आभास कराते हैं। फूड फोटोग्राफी में इनका इस्तेमाल भी इन्हीं इमोशंस को दर्शाने के लिए किया जाता है। तीखे मसालेदार व्यंजन, पारम्परिक या त्योहारिक फ़ूड्स, सर्दियों के व्यंजन, जंक फ़ूड इत्यादि का परिपूर्ण आभास दिलाने के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है।

वही कूल कलर्स हरा, नीला और बैगनी

रंगो का मूड सूथिंग और ठंडक प्रदान करने वाला होता है, इसलिए इनका इस्तेमाल ग्रीष्म ऋतु का हल्का सुपाच्य भोजन, शीतल पेय, ताज़ी हरी सलाद और इन्द्रियों को ठंडक देने वाले खाद्य पदार्थो को खूबसूरती से दर्शाने के लिए होता है।

उदाहरण के तौर पर हल्के रंग की बैकग्राउंड, एक दूध के गिलास, कुछ अंडो के साथ एक सफ़ेद प्लेट पर रखी एक कपकेक जहाँ आप को ग्रीष्म ऋतु की एक सुबह का आभास कराएगी, वहीं भूरे काले रंग की लकड़ी की बैकग्राउंड कुछ लाल पीली पत्तियाँ और गहरे रंग की प्लेट पे रखी वही कपकेक आपको पतझड़ या ठण्ड की अँधेरी शाम का।

एनालॉग्स कलर्स

यह वह कलर्स होते हैं जो कलर व्हील में एक दुसरे के अगल-बगल होते हैं। एक जैसे कलर परिवार में होने की वजह से ये 2, 3 या 4 साथ प्रयोग करने पर भी तस्वीर में रंगो का संतुलन बनाये रखते हैं और मस्तिष्क और आँखो को सुखदायक लगते हैं। मिलते जुलते रंगो की फल-सब्ज़ियों या खाद्य पदार्थ सफ़ेद, काले या अपने से मिलते जुलते रंगो की बैकग्राउंडस या प्रॉप्स के साथ खूब जंचते हैं और हर सामग्री को चित्र में बराबर की महत्ता देते हैं।

कॉम्प्लिमेंटरी कलर्स

कलर व्हील में एक दुसरे के विपरीत रंगो को इस्तेमाल करके कॉम्प्लिमेंटरी कलर स्कीम बनती है। उदाहरण के तौर पर लाल और हरा। सेकेंडरी और टर्शरी कलर्स को भी इस्तेमाल करके बख़ूबी संयोजन (कॉम्बिनेशंस) बनाये जा सकते है जैसे कि पीला और बैगनी या नीला और नारंगी। यह कलर स्कीम का प्रयोग न सिर्फ पिक्चर में कन्ट्रास्ट बढ़ाता है बल्कि पिक्चर को संतुलन और नया आयाम देता है।

न्यूट्रल कलर्स

इन रंगो की हमारे आस-पास भरमार रहती है परन्तु कलर व्हील में यह नहीं दर्शाये जाते हैं। काला, सफ़ेद, भूरा और सिलेटी (ग्रे) इन् रंगो के अंतर्गत आते हैं। यह रंग अकेले या अन्य कलर स्कीम्स के साथ बहुत ज़्यादा इस्तेमाल होते हैं। इन रंगो को अन्य रंगो के साथ मिला के उन्हें हल्का या गहरा बनाया जा सकता है।

मोनोक्रोमेटिक कलर्स

इसके अंतर्गत एक रंग का चयन करके, उसमें काला या सफ़ेद मिला के अनगिनत हलके और गहरे टोन्स बनाये जा सकते हैं। काले से सफ़ेद, बेबी पिंक से मैरून या हलके हरे से गहरे हरे तक का अनगिनत रंगो के समन्वय का सफर मोनोक्रोम के अंतर्गत आता है। मोनोक्रोम चित्र में लगा एक अलग परिवार का कलर साधारण चित्र की खूबसूरती चौगुनी कर देता है।

रंगो को भली भांति उभारने में लाइट सबसे एहम भूमिका निभाती है, अच्छी से अच्छी कलर स्कीम सही लाइट इंटेंसिटी और टेम्परेचर के आभाव में नीरस लग सकती है इसलिए फूड फोटोग्राफी के दौरान सही लाइट का चयन ध्यान पूर्वक करें।

PHOTO VIDEO ASIA 2024
29 30 31
AUGUST 2024
BHARAT MANDAPAM (PRAGATI MAIDAN), NEW DELHI, INDIA.
HALL NO.6
Latest Industry Trends
New Business Opportunities
Network With Industry Leaders
Products Demo
Workshop Seminar
REGISTRATION SPONSOR
Wedding Book
ORGANISED BY
AAKAR EXHIBITION
AAKAR EXHIBITION PVT LTD.
MEDIA PARTNER
संवाद फोटोग्राफर
FOR FREE ENTRY GIVE MISS CALL ON
63573 98505
OR
SCAN QR CODE

महान विभूतियाँ

थियोडोर ब्रेट वेस्टन
(16 दिसंबर 1911 - 22 जनवरी 1993)

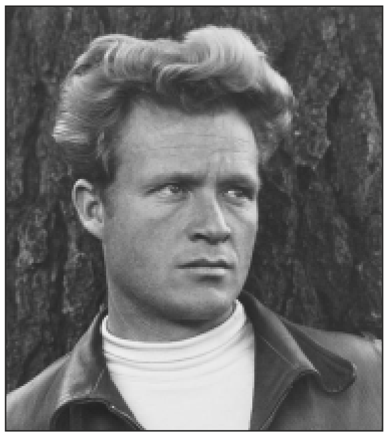

थियोडोर ब्रेट वेस्टन

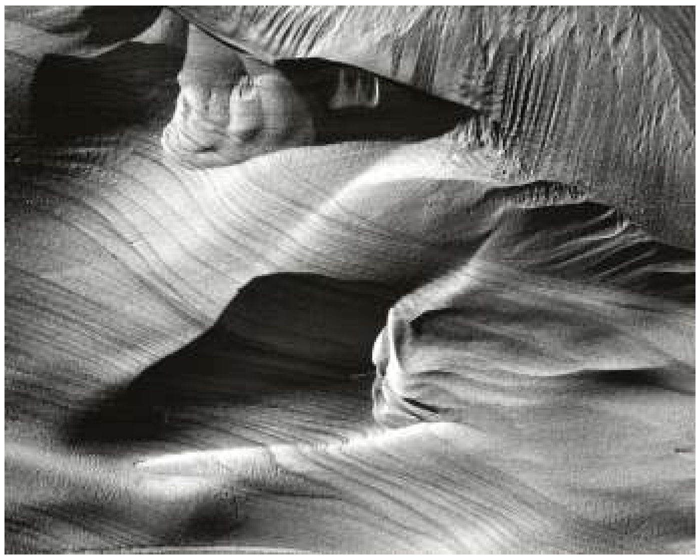

थियोडोर ब्रेट वेस्टन एक अमेरिकी फोटोग्राफर थे, जिनका जन्म 16 दिसंबर, 1911 को लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया, अमेरिका में हुआ था। उनके पिता एडवर्ड वेस्टन एक प्रसिद्ध फोटोग्राफर थे। शुरूआत में, थियोडोर ब्रेट वेस्टन अपने पिता की सहायता करते थे।

ब्रेट वेस्टन फोटोग्राफर एडवर्ड वेस्टन और फ्लोरा चैंडलर के चार बेटों में से दूसरे नंबर के थे। उन्होंने 1925 में मेक्सिको में रहते हुए फोटोग्राफी शुरू की। उन्होंने 1927 में एडवर्ड वेस्टन के साथ अपनी तस्वीरें दिखानी शुरू की, 17 साल की उम्र में जर्मनी में फिल्म एण्ड फोटो में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में शामिल हुए, और जनवरी 1932 में 21 साल की उम्र में सैन फ्रांसिस्को के डी यंग संग्रहालय में अपनी पहली एकल संग्रहालय प्रदर्शनी लगाई।

ब्रेट वेस्टन अपने पिता एडवर्ड वेस्टन को अपना सबसे बड़ा प्रशंसक कहते थे। दोनों ही बहुत अच्छे फोटोग्राफर थे, लेकिन एक-दूसरे के बीच कोई प्रतिद्वंद्विता नहीं थी। ब्रेट और उनकी पत्नी डोडी ने एडवर्ड की मदद करने के लिए अपनी खुद की फोटोग्राफी को अलग रखा, जब वह पार्किंसन रोग के कारण अपनी खुद की तस्वीरें प्रिंट करने में असमर्थ थे, जिसने 1958 में एडवर्ड की जान ले ली। वेस्टन के चार बेटों में से ब्रेट का अपने पिता के साथ सबसे अच्छा रिश्ता था। जब ब्रेट तेरह साल के थे, उनके पिता उन्हें स्कूल से निकाल कर मेक्सिको ले गए और वहीं उन्होंने अपने पिता से फोटोग्राफी सीखनी शुरू की।

वेस्टन ने 1920 के दशक में जो पहली-पहली तस्वीरें लीं, उनमें दिखता है कि उन्हें तस्वीरों के बारे में बहुत अच्छी समझ थी। वे अक्सर तस्वीरों में चीज़ों को चपटा करके दिखाते थे, जैसे कि कई परतें एक-दूसरे के ऊपर हों। ऐसा काम करने वाले ज्यादातर चित्रकार होते थे, न कि फोटोग्राफर। लेकिन वेस्टन ने ऐसा किया। वे डेविड हॉकनी जैसे बहुत ही मशहूर चित्रकारों की तरह तस्वीरें लेते थे। उन्होंने 1930 के दशक की शुरुआत में कैलिफोर्निया के ओशियानो में रेत के टीलों की तस्वीरें लेना शुरू किया।

ब्रेट वेस्टन अंत में अमेरिका के सबसे महानतम फोटोग्राफरों में से एक बन गए। उन्होंने बहुत सारी और अलग-अलग तरह की तस्वीरें बनाईं। उनकी तस्वीरें उनके पिता की तस्वीरों जैसी भी लगती थीं, लेकिन साथ ही उनमें खुद का अलग और नयापन भी था। उन्होंने सात दशकों तक काम किया और इस दौरान बहुत अच्छी तस्वीरें बनाईं। उनकी तस्वीरें बहुत ही अलग और खास थीं, जिनमें बहुत सारी छोटी-छोटी चीज़ें दिखाई देती थीं, और इनमें बहुत ज्यादा काला और सफेद का अंतर होता था। इन तस्वीरों से अमेरिकी कला की एक नई दुनिया का पता चलता है। ब्रेट वेस्टन ने रेत के टीलों की बहुत सारी तस्वीरें लीं, और उन्होंने लगभग पचास साल तक इस तरह की तस्वीरें बनाना जारी रखा।

ब्रेट वेस्टन ने प्रकृति की बहुत ही करीबी और गहरी तस्वीरें लीं, जिससे उन्हें अपनी कलाकारी की नई राह मिली। प्रकृति ने वेस्टन को बहुत प्रभावित किया, और उन्होंने प्रकृति की बहुत ही खूबसूरत तस्वीरें लीं। वे छोटी-छोटी चीज़ों को भी बहुत ध्यान से

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2024 से 5 सितम्बर 2024

फोटोग्राफी जीवन को प्रकाशमय करने का एक साधन है। - सैम एबल

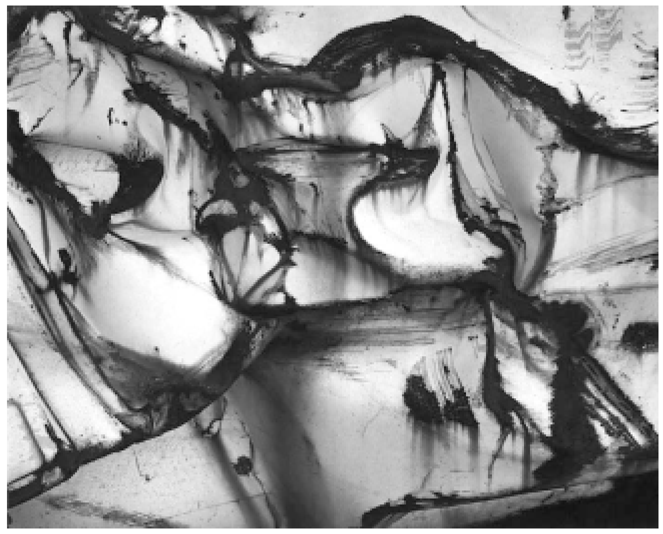
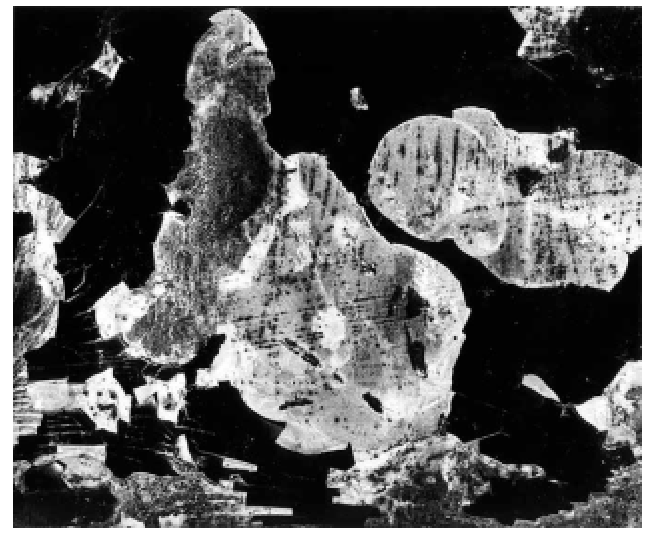

देखते थे, और उनकी तस्वीरों में बहुत ही जीवंत रंग और अच्छे कंट्रास्ट होते थे। वे तस्वीरों में लाइनों, आकार, गहराई, काले और सफेद के अंतर और खाली जगहों का बहुत ध्यान रखते थे। उन्होंने रेत के टीलों की बहुत ही अच्छी तस्वीरें लीं, जो बहुत ही खास थीं। वेस्टन के लिए रेत के टीले एक ऐसी जगह थे जहाँ कलात्मक और असली चीज़ों का मिलन होता था।

वेस्टन ने चार बार शादी की और चारों बार तलाक ले लिया। उनकी एक बेटी एरिका वेस्टन थी। ब्रेट वेस्टन अपने जीवन के अंतिम 14 वर्षों में हवाई के बिग आइलैंड और कैलिफोर्निया के कार्मेल में अंशकालिक रूप से रहते थे। उनके पास वैकोलोआ में एक घर था, जो उनके भाई नील वेस्टन ने बनवाया था। बाद में वे हवाई पैराडाइस पार्क चले गए। नवंबर 1996 में, ओक्लाहोमा सिटी के कलेक्टर क्रिश्चियन कीसी ने ब्रेट वेस्टन एस्टेट से वेस्टन के बचे हुए काम खरीद लिए।

अपने जीवन के आखिरी दस सालों में वेस्टन को अमेरिकी संग्रहालयों में सबसे ज़्यादा पसंद किए जाने वाले दस फोटोग्राफरों में से एक माना गया। वैन डेरन कोक ने वेस्टन को "अमेरिकी फोटोग्राफी का बाल प्रतिभाशाली" कहा था।

वेस्टन का कार्य निम्नलिखित स्थायी संग्रहों में रखा गया है:

Brett Weston Archive, Oklahoma City Oklahoma, Carnegie Museum of Art, Pittsburgh, Pennsylvania, Centre for Creative Photography, University of Arizona, Tucson, Colorado Springs Fine Arts Centre, Honolulu Museum of Art, Los Angeles County Museum of Art, Muscarelle Museum of Art.

उनकी कई किताबें प्रकाशित हुई हैं, जिनमें से कुछ महत्वपूर्ण हैं:

Brett Weston: Photographs- Merle Armitage, E- Weyhe, NY, Voyage of the Eye- Aperture, NY, Brett Weston: Photographs from Five Decades- Edited by RH Cravens, Aperture, NY, Brett Weston: A Personal Selection- Photography West Graphics, CA, Brett Weston: Master Photographer- Photography West Graphics, CA, Hawaii: Fifty Photographs- Photography West Graphics, CA, etc.

ब्रेट वेस्टन को बीसवीं सदी के सबसे प्रमुख फोटोग्राफरों में से एक माना जाता है। वे मुख्य रूप से पश्चिमी परिदृश्य और प्राकृतिक रूपों पर आधारित अपने साहसिक रचनाओं और अपनी असाधारण मुद्रण शैली के लिए जाने जाते हैं। वेस्टन 1930 के दशक में कैलिफोर्निया के फोटोग्राफरों के एक छोटे समूह, जिसे ग्रुप f/64 के नाम से जाना जाता था, के सदस्य थे, जो बड़े फॉर्मेट वाले कैमरों, सीधे और बिना काटे हुए चित्रों और काले और सफेद प्रिंटों को पसंद करते थे।

ब्रेट वेस्टन का स्वर्गवास 22 जनवरी 1993 में 81 वर्ष की आयु में कोना अस्पताल में स्ट्रोक के कारण हुआ।

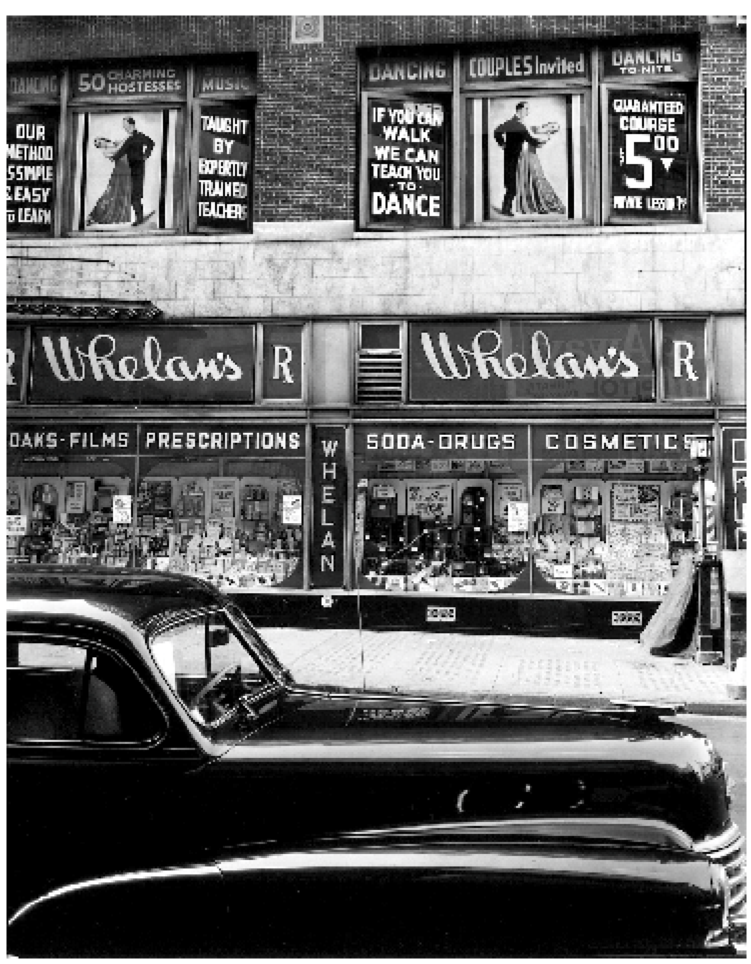

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

निकॉन द्वारा प्रोडक्ट फोटोग्राफी वर्कशॉप

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 16 जुलाई 2024 को निकॉन ने प्रोडक्ट फोटोग्राफी वर्कशॉप का आयोजन किया। वर्कशॉप का संचालन जाने माने निकॉन मेंटर मानवरिन्दर ने किया। वर्कशॉप में आये हुए फोटोग्राफर्स को प्रोडक्ट फोटोग्राफी के बारे में विस्तार से वर्णन किया और प्रोडक्ट फोटोग्राफी को शूट करके भी बताया।

निकॉन द्वारा फैशन फोटोग्राफी वर्कशॉप

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 17 जुलाई 2024 को निकॉन ने फैशन फोटोग्राफी वर्कशॉप का आयोजन किया। वर्कशॉप का संचालन जाने माने निकॉन मेंटर मानवरिन्दर ने किया। वर्कशॉप में आये हुए फोटोग्राफर्स को आउटडोर में फैशन फोटोग्राफी के बारे में जानकारियाँ विस्तार से दी और मॉडल के साथ शूट करके भी दिखाया।

निकॉन द्वारा New Born फोटोग्राफी वर्कशॉप

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 18 जुलाई 2024 को निकॉन ने न्यू बोर्न फोटोग्राफी वर्कशॉप का आयोजन किया। वर्कशॉप का संचालन जाने माने निकॉन क्रियेटर गैलेक्सी एवं मुदित सेठ ने किया। वर्कशॉप में नवजात शिशुओं की फोटोग्राफी से जुड़ी कई बारीकियों का विस्तार से वर्णन किया।

निकॉन द्वारा वेडिंग आउटडोर वर्कशॉप

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 20 जुलाई 2024 को निकॉन ने वेडिंग आउटडोर फोटोग्राफी वर्कशॉप का आयोजन किया। वर्कशॉप का संचालन जाने माने निकॉन क्रियेटर रचित भाटिया ने किया। वर्कशॉप में मॉडल के साथ आउटडोर वेडिंग फोटोग्राफी से सम्बन्धित जानकारिया दी गई।

फुजीफिल्म द्वारा उ.प्र. के विभिन्न शहरों में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशॉप्स

मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, उन्नाव (21 जुलाई 2024)

मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, रायबरेली (25 जुलाई 2024)

मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, हरदोई (27 जुलाई 2024)

मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, बहराइच (28 जुलाई 2024)

मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, लखीमपुर (29 जुलाई 2024)

मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, शाहजहाँपुर (31 जुलाई 2024)

फुजीफिल्म द्वारा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में फोटोग्राफरों के लिए फुजीफिल्म कैमरों की वर्कशॉप्स का आयोजन किया। जिसमें मेंटर राजकुमार ने कैमरे की खूबियों और नई तकनीक के बारे में जानकारी दी।

स्टूडियो न्यूज

फोटोग्राफर साथियो, आप अपने जिले में होने वाली फोटोग्राफी वर्कशॉप, संगोष्ठी या फोटोग्राफी से सम्बन्धित अन्य किसी कार्यक्रम का विवरण एवं फोटो "स्टूडियो न्यूज" में छपवाने के लिये, mailtostudionews@gmail.com पर मेल करें।

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2024 से 5 सितम्बर 2024

कोई भी जगह बोरिंग नहीं होती है अगर रात में आपने भरपूर नींद ली है और जेब में रोल है। -रॉबर्ट एडम्स

कैनन द्वारा उ.प्र. में आयोजित वेडिंग फोटोग्राफी वर्कशॉप्स

बलिया (08 जुलाई 2024)

बिन्द्रा (09 जुलाई 2024)

प्रयागराज (16 जुलाई 2024)

गाजीपुर (17 जुलाई 2024)

उन्नाव (20 जुलाई 2024)

हरदोई (21 जुलाई 2024)

शाहजहाँपुर (23 जुलाई 2024)

सण्डीला (25 जुलाई 2024)

ठाकुरगंज, लखनऊ (28 जुलाई 2024)

कैनन द्वारा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं तहसील स्तर पर फोटोग्राफरों के लिए वेडिंग फोटोग्राफी वर्कशॉप्स का आयोजन किया। जिसमें कैनन के मेंटरों द्वारा नई तकनीकों से रूबरू कराया।

अन्य प्रदेशों में होने वाले फोटो फेयर एवं एक्सपो

फोटोग्राफी के रोचक तथ्य

डॉ आत्मप्रकाश सिंह

फोटोग्राफी एक ऐसी कला, जो अपनी जटिलताओं को त्यागते हुए आज हर किसी के लिए सरलता से उपलब्ध हो गयी है। औसत दर्जे के आमदनी करने वाले लगभग सभी लोगों के पास डिजिटल कैमरा है जिनके पास नही है, तो उनके पास विकल्प के रूप में मोबाइल कैमरा है, जो उनकी फोटोग्राफी की जिज्ञासा को सन्तुष्ट करता है। फोटोग्राफी लोगों के जीवन की उपलब्धियों, सफलताओं और खुशियों के साथ-साथ दुख, पीड़ा, दर्द आदि जैसी अनेकों भावनाओं और यादों को बस एक क्लिक में सजोने में सक्षम है। आइए आज हम फोटोग्राफी के कुछ रोचक तथ्यों से रूबरू होते हैं।

तो शुरूआत विश्व फोटोग्राफी दिवस से करतें हैं। विश्व फोटोग्राफी दिवस हर साल 19 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिन को फोटोग्राफी के जनसामान्य तक पहुंचने के रूप में मान्यता दी गयी है। 19 अगस्त 1839 को फ्रांस की सरकार ने फोटोग्राफी की प्रक्रिया को जन साधारण के लिए उपलब्ध करा दिया था। यह दिन फोटोग्राफी के इतिहास, कला और इसके अद्वितीय महत्व को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। यह दिन उन फोटोग्राफर्स को भी महत्वपूर्ण स्थान देता है जिन्होंने अपने काम से समाज में सकारात्मक योगदान दिया है।

फोटोग्राफी का इतिहास बहुत पुराना है, और इसमें कई महत्वपूर्ण घटनाएं और आविष्कार शामिल हैं। फोटोग्राफी की शुरूआत कैमरा ऑब्सक्यूरा (Camera Obscura) से हुई, जो कि एक प्राचीन उपकरण था। ये किसी बाहरी दृश्य को एक छोटे से छिद्र के माध्यम से पर्दे पर दिखाता था। 1826 में, फ्रांस के जोसेफ नाइसफोर निप्स (Joseph Nicéphore Niépce) ने पहली स्थायी फोटोग्राफ बनाने में सफलता प्राप्त की। उन्होंने इस प्रक्रिया को 'हेलियोग्राफी' (Heliography) कहा। निप्स ने एक टिन की प्लेट पर बिटुमेन (bitumen) का उपयोग किया, जिसे सूरज की रोशनी में उजागर किया गया। इस प्रक्रिया ने फोटोग्राफी की दशा और दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे रखा। 1839 में, लुईस डगुएरे (Louis Daguerre) ने डागुएरियोटाइप प्रक्रिया (Daguerreotype) को पेश किया। यह प्रक्रिया तेजी से लोकप्रिय हो गई और इसे फोटोग्राफी की पहली व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य प्रक्रिया माना गया। इसमें एक सिल्वर प्लेट का उपयोग किया जाता था जिसे आयोडीन वाष्प के साथ संवेदनशील बनाया जाता था। 1888 में, जॉर्ज ईस्टमैन (George Eastman) ने कोडक (Kodak) कैमरा पेश किया, जिसने फोटोग्राफी को आम जनता के लिए सुलभ बना दिया। कोडक कैमरा के साथ, "आप बटन दबाएं, बाकी हम करेंगे" टैग लाइन से प्रचलित हुआ, जिससे फोटोग्राफी का उपयोग बहुत ही आसान हो गया।

20वीं सदी के उत्तरार्ध में डिजिटल फोटोग्राफी का आगमन हुआ, जिसने फोटोग्राफी की दुनिया को पूरी तरह से बदल दिया। डिजिटल कैमरों के आविष्कार में फुजि और कोडक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सार्वजनिक रूप से पहला डिजिटल कैमरा 1975 में कोडक (Kodak) के इंजीनियर स्टीव सैसन (Steve Sasson) द्वारा आविष्कार किया गया था। इस कैमरे ने डिजिटल इमेज सेंसर का उपयोग किया और इसे एक प्रोटोटाइप के रूप में विकसित किया गया था। यह कैमरा वर्तमान कैमरों की तुलना में बड़ा और भारी था और इसमें 0.01 मेगापिक्सेल का सेंसर था। यह कैमरा ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें ले सकता था और उन तस्वीरों को एक कैसेट टेप पर स्टोर करता था। एक तस्वीर को कैप्चर करने और स्टोर करने में लगभग 23 सेकंड का समय लगता था। स्टीव सैसन का यह आविष्कार डिजिटल फोटोग्राफी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसने बाद में डिजिटल कैमरों के विकास को प्रोत्साहित किया और फोटोग्राफी की दुनिया में एक क्रांति ला दी। पहला व्यापक रूप से उपलब्ध और सफल कंज्यूमर डिजिटल कैमरा Apple QuickTake 100 था, जिसे 1994 में लॉन्च किया गया था। इसे Apple ने Kodak के साथ मिलकर विकसित किया था। इस कैमरे में 0.3 मेगापिक्सल का सेंसर था और यह 8 बिट के रंगों में 640 × 480 पिक्सेल की तस्वीरें खींच सकता था। इसे Macintosh कंप्यूटरों के साथ उपयोग के लिए डिज़ाइन किया गया था और इसे कंप्यूटर के साथ सीधे जोड़कर तस्वीरें ट्रांसफर की जा सकती थीं।

डिजिटल कैमरों और स्मार्टफोनों की उन्नति ने फोटोग्राफी को और भी अधिक सुलभ और व्यापक बना दिया। आज, लगभग हर व्यक्ति के पास एक कैमरा होता है। और फोटोग्राफी एक अत्यन्त सामान्य गतिविधि बन गई है। पेशेवर तौर पर फोटोग्राफी करने वाले लोग जल्द ही इसके प्रति आकर्षित होने लगे क्योंकि डिजिटल

जोसेफ नाइसफोर निप्स

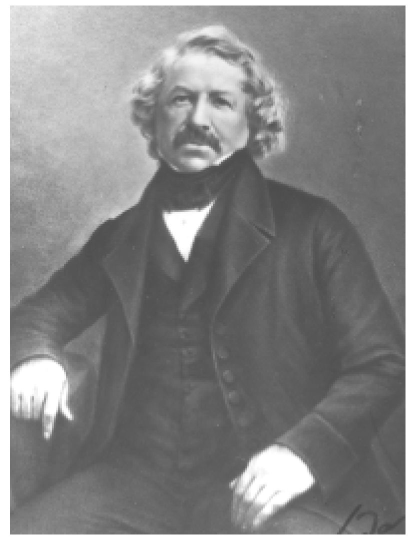

लुईस डगुएरे

जॉर्ज ईस्टमैन

फाइल्स के माध्यम से वे अपने ग्राहकों और नियोक्ताओं को पारंपरिक फोटोग्राफी की तुलना मे अधिक शीघ्रता से बेहतर परिणाम प्रदान कर सकते थे। लगभग वर्ष 2007 के बाद से स्मार्टफ़ोन मे भी डिजिटल कैमरा लगाया जाने लगा और आने वाले समय मे सोशल मीडिया, ई-मेल और वेबसाइट में आसानी से उपयोग की जा सकने वाली तस्वीरों के कारण डिजिटल कैमरे वाले स्मार्टफ़ोन का व्यापक प्रसार हो पाया। डिजिटल कैमरों के विकास में क्रमशः डिजिटल पॉइंट-एंड-शूट, डी.एस.एल.आर. और मिररलेस डिजिटल कैमरों का अविष्कार होता चला गया।

वर्तमान में दुनिया का सबसे शक्तिशाली डिजिटल कैमरा Large Synoptic Survey Telescope (LSST) कैमरा है, जिसे अब Vera C- Rubin Observatory का हिस्सा माना जाता है। यह कैमरा अपने अद्वितीय डिज़ाइन और क्षमताओं के कारण सबसे शक्तिशाली है। LSST कैमरा में 3.2 गीगापिक्सल का सेंसर है, जो इसे दुनिया के सबसे उच्च रिज़ॉल्यूशन वाले कैमरों में से एक बनाता है। यह इतनी संवेदनशीलता रखता है कि यह 100 मिलियन से अधिक सितारों और आकाशगंगाओं को कैप्चर कर सकता है। इसका फ़ील्ड ऑफ व्यू लगभग 3.5 डिग्री चौड़ा है, जो कि चंद्रमा के 40 गुना के बराबर है। इससे यह कैमरा बहुत बड़े क्षेत्र को एक ही बार में कैप्चर कर सकता है। LSST कैमरा प्रति रात लगभग 20 टेराबाइट डेटा उत्पन्न करेगा। यह डेटा वैज्ञानिकों को ब्रह्मांड की संरचना और विकास को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा। LSST का मुख्य उद्देश्य ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर करना है। यह कैमरा डार्क मैटर और डार्क एनर्जी के अध्ययन, सौरमंडल के छोटे पिंडों जैसी खगोलीय घटनाओं के निरीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। LSST कैमरा का विकास और उपयोग विज्ञान की दुनिया में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो खगोलविदों को ब्रह्मांड के बारे में गहराई से जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा।

दुनिया का सबसे शक्तिशाली डिजिटल कैमरा
Large Synoptic Survey Telescope (LSST)

कुछ और भी रोचक तथ्य हैं जैसे कि, पहली फोटोग्राफिक पोर्ट्रेट का श्रेय 1839 में, रॉबर्ट कॉर्नेलियस को जाता है उन्होंने अपनी खुद की फोटोग्राफ खींची थी, जिसे पहली सेल्फी भी माना जाता है। **पहला रंगीन फोटोग्राफ :** का श्रेय 1861 में जेम्स क्लर्क मैक्सवेल को जाता है। उन्होंने तीन अलग-अलग रंगीन फिल्टर का उपयोग करके एक तस्वीर बनाई थी। **सबसे महंगी फोटोग्राफ :** 1999 में, आंद्रेयस गुरस्की की फोटोग्राफ "राइन II" थी। जिसको नीलामी में $4.3 मिलियन में बेचा गया था, जो इसे उस समय की सबसे महंगी फोटोग्राफ थी। **पहली डिजिटल फोटोग्राफ :** 1957 में ली गई थी, जो कि पहली चाँद पर ली गई फोटोग्राफ से भी पुरानी है।

अबतक तो आप लोग ये समझ ही गए होंगे कि जितनी रोचक फोटोग्राफी है उतना ही रोचक उसका विकास और इतिहास भी है। जिन लोगों ने कैमरों का आविष्कार किया था उन्होंने तो सपने में भी एक ऐसे कैमरे की कल्पना नहीं की होगी, जो आपकी जेब में फिट होने वाले फ़ोन के रूप में भी काम करेगा। ठीक उसी तरह आज से 5 साल, 10 साल, 25 साल या 50 साल बाद फोटोग्राफी कैसी होगी? उसका स्वरूप कैसा होगा? इसको समझने और देखने की दृष्टि तो मुझमें नही है। काश कि मेरे पास भविष्यवाणी करने वाला कोई यन्त्र होता। पर इतना तो तय है कि जैसे-जैसे तकनीक में सुधार होता जाएगा, कैमरे अत्यन्त शक्तिशाली, छोटे, हल्के और तेज़ होते जाएंगे। और मन्द रोशनी की स्थिति में भी बेहतरीन परिणाम देंगे। ऐसा भी हो सकता है कि एक दिन हमारे पास ऐसे कैमरे होंगे जो आँखों में कॉन्टैक्ट लेंस की तरह फिट होंगे और सीधे उनकी तस्वीर हमारे मस्तिष्क में स्टोर होगी। फोटोग्राफी में हो रहे AI तकनीक, विज्ञान और अनुसंधान के निरंतर विकास से यह सब भविष्य में सम्भव होगा। हम धन्य हैं क्योंकि फोटोग्राफी एक सतत, निरन्तर विकसित होने वाली कला है। फ़ोटोग्राफ़र के रूप में, हमारे पास इतिहास को दस्तावेज़ित करने, क्षणों को संरक्षित करने और एक क्लिक से कहानी कहने का विशेष ज्ञान और कौशल है जो कि हमको दुनिया की भीड़ से अलग बनाता है और दुनिया को बदलने की ताकत भी देता है।

(लेख में दिए हुए चित्र ब्रिटैनिका शब्द कोष, विकिपीडिया, बिज़नेस हिस्ट्री, इंडियन एक्सप्रेस तथा वायर्ड के वेबसाइट से साभार लिया गया है।)

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2024 से 5 सितम्बर 2024

फोटोग्राफी वह कहानी है, जिसे मैं शब्दों में बयां करने में विफल हो जाता हूँ। - डेस्टिन स्पार्क्स

नई खोज बताती है कि भारतीय वेडिंग इंडस्ट्री 10 लाख करोड़ रूपये की आर्थिक ताकत है

भारत के कई अखबारों में हाल ही की खबरों में भारतीय वेडिंग इंडस्ट्री को उजागर किया गया है, जिसमें जेफरीज नाम की एक बड़ी कंपनी की नई रिपोर्ट का हवाला दिया गया है। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि भारतीय वेडिंग इंडस्ट्री अब 10 लाख करोड़ रूपये से भी ज्यादा की हो गयी है, जो इसे भारत में खाना-पीने के बाद दूसरा सबसे बड़ा कारोबार बनाती है। इससे पता चलता है कि शादियों का बहुत बड़ा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है, जिससे बहुत विकास होता है। साल 2017 में यह आंकड़ा करीब 4 लाख 25 हजार करोड़ रूपये था।

हर साल करीब एक करोड़ शादियां होती हैं, जिससे भारतीय वेडिंग इंडस्ट्री अमेरिका से दोगुनी बड़ी है लेकिन चीन से छोटी है। एक भारतीय जोड़ा वेडिंग पर पढ़ाई (नर्सरी से लेकर डिग्री तक) से लगभग दोगुना पैसा खर्च करता है, जो अमेरिका से बिल्कुल अलग है, जहां वेडिंग के खर्च पढ़ाई के खर्च से आधे से भी कम होते हैं।

इस खर्च से ज्वैलरी, कपड़े, होटल, फोटोग्राफी, सजावट और ब्यूटी जैसे कई क्षेत्रों को बहुत फायदा होता है। फोटोग्राफरों के लिए, भारतीय शादियां एक बहुत ही अच्छे और मुनाफे वाली इंडस्ट्री है, जिसमें प्री-वेडिंग शूट और सिनेमेटिक वेडिंग की फिल्मों सहित प्रोफेशनल फोटोग्राफी और वीडियो की मांग बढ़ती जा रही है। 140 करोड़ की आबादी में से आधे से ज्यादा लोग 30 साल से कम उम्र के हैं, इसलिए भारत की वेडिंग इंडस्ट्री आने वाले कई सालों तक बढ़ती रहेगी। इसके चलते, पूरी फोटोग्राफी दुनिया के लिए बहुत अच्छे मौके हैं - फोटोग्राफी संस्थान, कैमरा और दूसरे उपकरण बनाने वाली कंपनियां, फोटोग्राफर, प्रिंटिंग सेवा देने वाले, और वेडिंग एल्बम बनाने वाली कंपनियां, आदि - इन सभी को इस क्षेत्र में व्यापार की संभावनायें देखने और पैसा लगाने का मौका है।

भारत के प्रोफेशनल फोटोग्राफरों को इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। इतनी तेजी से बढ़ते हुए इंडस्ट्री में फोटोग्राफरों के बीच मुकाबला भी बढ़ेगा, और विदेशों के फोटोग्राफर भी इस इंडस्ट्री में आ सकते हैं।

बढ़ते हुए वेडिंग फोटोग्राफी इंडस्ट्री से कैसे फायदा उठाएं

बढ़ते हुए वेडिंग फोटोग्राफी इंडस्ट्री में अच्छी कमाई करने के लिए, प्रोफेशनल फोटोग्राफरों को खुद को अच्छे से तैयार करना होगा। सबसे जरूरी चीज़ है सीखना और नई चीज़ें जानना। वेडिंग फोटोग्राफी का काम बहुत बदलता रहता है, इसलिए हमेशा नए तरीके, नई तकनीक और नए चलन के बारे में जानते रहना बहुत जरूरी है।

1. **लगातार सीखते रहें** : फोटोग्राफरों को अपने हुनर को बढ़ाने के लिए वर्कशॉप, कोर्स और सेमिनार में हिस्सा लेना चाहिए। इसमें नई-नई फोटोग्राफी की तकनीक सीखना, नए तरह के सॉफ्टवेयर पर काम करना, वेडिंग की फोटोग्राफी में नए स्टाइल और चलन को समझना, और वेडिंग से जुड़ी अलग-अलग चीज़ें बनाने के लिए प्रिंटिंग की नई तकनीक सीखना शामिल है। लगातार सीखते रहने से फोटोग्राफर हमेशा आगे रहते हैं और नए-नए काम कर पाते हैं।

2. **मार्केट को समझें** : फोटोग्राफरों को अपने ग्राहकों की जरूरतों और पसंद को अच्छे से समझना चाहिए। इसमें भारत में शादियों के अलग-अलग तरह के रीवाज और उम्मीदों को समझना भी शामिल है, साथ ही वेडिंग फोटोग्राफी में नए चलन के बारे में भी पता होना चाहिए। ग्राहकों की इन जरूरतों के हिसाब से अपनी सेवाएं देने से फोटोग्राफर दूसरे फोटोग्राफरों से अलग हो सकते हैं। जैसे-जैसे ग्राहकों की मांग बदलती है, फोटोग्राफरों को भी अपने हिसाब से बदलना पड़ता है, क्योंकि अब ग्राहक विदेशों के चलन और ऊंची उम्मीदों से प्रभावित होते हैं।

3. **एक अच्छा पोर्टफोलियो बनाएं** : अलग-अलग तरह की शैलियों और अच्छे काम को दिखाने वाला एक अच्छा प्रिंट और डिजिटल पोर्टफोलियो बहुत जरूरी है। इसमें यह दिखना चाहिए कि आप अलग-अलग तरह की वेडिंग की फोटोग्राफी कर सकते हैं, जैसे कि बिना पोज के फोटो और पारंपरिक पोज वाले फोटो। एक अच्छा पोर्टफोलियो बड़े ग्राहकों को आकर्षित कर सकता है और आकर्षक अनुबंध (Contract) करने में मदद कर सकता है।

4. **नई तकनीक का इस्तेमाल करें** : नए तरीकों का इस्तेमाल करने से काम की गुणवत्ता बढ़ सकती है और काम आसान हो सकता है। इसमें अच्छे कैमरे खरीदना, एरियल फोटो लेने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करना, नए तरह के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करना, और काम के दौरान टीम के साथ अच्छे से बात करने के लिए उपकरण खरीदना शामिल है। नई तकनीक के साथ चलने से काम जल्दी हो सकता है और बेहतर नतीजे मिल सकते हैं।

5. **नेटवर्किंग और साथ काम करना** : इस क्षेत्र में लोगों से संबंध बनाने से अच्छे मौके मिल सकते हैं। वेडिंग प्लानर, सजावट करने वालों, और दूसरे प्रोफेशनल लोगों से दोस्ती करने से काम के नए मौके मिल सकते हैं। इस क्षेत्र के कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों में हिस्सा लेने से नए लोग मिल सकते हैं और अपने काम को ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जा सकता है।

6. **ग्राहकों को खुश रखें** : ग्राहकों को बहुत अच्छी सेवा देना और उन्हें यादगार पल देना बहुत जरूरी है। इसमें अच्छे से बात करना, हर ग्राहक के लिए अलग-अलग सेवाएं देना, और छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना शामिल है। खुश ग्राहक दूसरों को आपकी सेवा के बारे में बताएंगे और आपके बारे में अच्छी बातें करेंगे, जिससे आपकी अच्छी पहचान बनेगी।

7. **ग्राहकों की राय लें और बदलाव करें** : ग्राहकों की राय लेना और उस पर काम करना बहुत जरूरी है, ताकि आप अपने काम में सुधार कर सकें। वेडिंग के बाद ग्राहकों से उनकी राय जरूर लें, इससे आपको पता चलेगा कि ग्राहकों को कैसा लगा और आपको क्या सुधार करना चाहिए। इस जानकारी का इस्तेमाल करके आप अपनी सेवाओं में बदलाव कर सकते हैं और ग्राहकों की शिकायतों को दूर कर सकते हैं। इससे ग्राहक खुश रहेंगे और आप अपने काम को बदलते वक्त के हिसाब से बदल पाएंगे।

8. **अपने प्रतिद्वंद्वियों को समझें** : वेडिंग फोटोग्राफी इंडस्ट्री में अलग दिखने के लिए, यह जानना जरूरी है कि दूसरे फोटोग्राफर क्या कर रहे हैं। दूसरे फोटोग्राफरों के काम, कीमतों, और मार्केटिंग के तरीकों को देखें, ताकि आपको पता चल सके कि आप क्या अलग कर सकते हैं। अपने प्रतिद्वंद्वियों को जानने से आप अपनी सेवाओं को अलग दिखा सकते हैं और अपने काम की खासियत बता सकते हैं। दूसरे फोटोग्राफरों की अच्छी और बुरी बातों को देखकर आप अपने काम में सुधार कर सकते हैं और इंडस्ट्री की जरूरतों के हिसाब से कुछ अलग कर सकते हैं।

9. **प्रिंट किये हुए प्रोडक्ट्स बेचें** : प्रिंटेड चीज़ों की अभी भी बहुत मांग है और लोगों को ये बहुत पसंद आती हैं। अलग-अलग कीमतों पर वेडिंग एल्बम और अच्छे कागज़ पर फोटो फ्रेम बेचकर आप ज्यादा कमाई कर सकते हैं और ग्राहकों को ज़्यादा दे सकते हैं। किसी अच्छे प्रिंटिंग वाले के साथ काम करें जो आपके विचारों को अच्छे से समझता हो, ताकि आप अच्छे प्रोडक्ट्स दे सकें।

10. **मार्केटिंग में पैसा लगाएं** : कई फोटोग्राफर मार्केटिंग को नज़रअंदाज़ करते हैं। अगर आपको बिज़नेस बढ़ना है तो मार्केटिंग जरूरी है। आपको सोशल मीडिया पर अच्छा दिखना चाहिए, और अपने ग्राहकों तक पहुंचने के लिए अच्छे विज्ञापन करने चाहिए, ताकि लोग आपको जान सकें।

आगे क्या है : भारत में वेडिंग फोटोग्राफी का भविष्य

भारत में वेडिंग फोटोग्राफी का भविष्य बहुत अच्छा दिख रहा है। वेडिंग इंडस्ट्री आगे भी बढ़ती रहेगी, जिससे फोटोग्राफरों के लिए बहुत सारे मौके होंगे। अगर फोटोग्राफर पढ़ाई करते रहेंगे, नए चलन के बारे में जानते रहेंगे, और अच्छे काम करेंगे तो वे इस बढ़ते हुए इंडस्ट्री में सफल हो सकते हैं। फोटोग्राफरों के लिए यह बहुत अच्छा समय है, क्योंकि इस क्षेत्र में बहुत आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं।

अंत में, भारतीय वेडिंग फोटोग्राफी इंडस्ट्री में प्रोफेशनल फोटोग्राफरों के लिए बढ़ने और सफल होने का बहुत अच्छा मौका है। अगर फोटोग्राफर अच्छी तरह से तैयारी करते हैं, पढ़ाई करते रहते हैं, और नए-नए तरीके अपनाते हैं, तो वे न सिर्फ आज की मांग पूरी कर सकते हैं बल्कि भारत में वेडिंग फोटोग्राफी के भविष्य को भी अच्छा बना सकते हैं। आगे का रास्ता बहुत अच्छा है, और जो लोग इस क्षेत्र में मौके का फायदा उठाएंगे, उन्हें बहुत फायदा होगा।

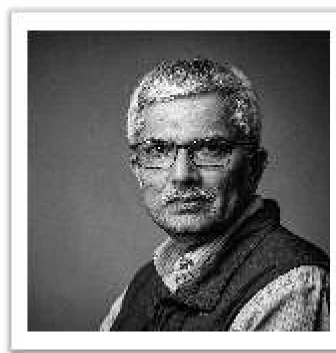

विमल परमार
Independent Marketing Consultant
Digital Print Evangelist
@vimalparmar

अन्य प्रदेशों में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशॉप्स

कैनन द्वारा गया, बिहार में एक फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कैनन के शांतनु ने फोटोग्राफी की कई तकनीकियों को बताया एवं समझाया साथ ही साथ कैमरा और लाइट्स की क्या जुगलबन्दी है इसे भी विस्तार से बताया।

25 जुलाई 2024 को हाजीपुर, बिहार में फुजीफिल्म द्वारा वेडिंग फोटोग्राफी एवं फिल्मिंग वर्कशाप का आयोजन किया गया। फुजीफिल्म के अनुप गुहा द्वारा फोटोग्राफर्स को वेडिंग के समय फोटोग्राफी और फिल्मिंग की तकनीकी जानकारी दी।

26 जुलाई 2024 को रोहतक, हरियाणा में सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशाप का आयोजन किया गया। सोनी अल्फा स्पेशलिस्ट रोहित गौतम ने फोटोग्राफर्स को कैमरा और लेंस से जुड़ी जानकारियाँ साझा की जिससे फोटोग्राफर्स अपनी क्वालिटी में और अधिक सुधार ला पायें।

A Complete Exhibition for PHOTO, VIDEO, DIGITAL IMAGING FRAME & ALBUM Industry

3rd Edition

INDIA PHOTO & VIDEO EXPO

UTTAR PRADESH

Fri 6 | Sat 7 | Sun 8 SEPTEMBER 2024

INDIRA GANDHI PRATISHTHAN
Kathauta Chauraha Road, Vibhuti Khand
Near High Court Building, Gomti Nagar
LUCKNOW, UTTAR PRADESH

SUPPORTED BY
PAUP
PHOTOGRAPHERS ASSOCIATION UTTAR PRADESH

ORGANISERS
BUY SELL interactions

MEDIA PARTNER
स्टूडियो न्यूज

MEDIA & ONLINE PARTNERS

CONCURRENT SHOW

Exhibition for SIGNAGE, LED, LASER, 3D & DIGITAL PRINTING Industry

DPSEXPO
DIGITAL PRINT & SIGN

FORTHCOMING EVENTS

INDIA PHOTO EXPO

Image TODAY ASIA

14, 15 & 16 MARCH 2025
Pragati Maidan
New Delhi

Concurrent Shows

INDIA FRAME EXPO
PICTURE FRAMING SOLUTIONS

DPSEXPO
DIGITAL PRINT & SIGN

For Stall Booking Contact : BUYSELL INTERACTIONS PRIVATE LIMITED
70924 89181 / 63694 52532 / 70137 56679 / 93457 1334 info@buysellint.biz, www.buysellint.com

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2024 से 5 सितम्बर 2024

अगर मेरे हाथ में कैमरा है तो मैं जानता हूं कि मुझे किसी तरह का डर नहीं है। - एलफ्रेड स्टिग्लिट्स

ग्रूम फोटोग्राफी : विशेष और यादगार

ग्रूम फोटोग्राफी करते समय हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए जिससे सुन्दर और अच्छी तस्वीरें बनें

विकास बाबू
मेंटर फूजीफिल्म

ग्रूम फोटोग्राफी

शादी जैसा मौका जितना वधु पक्ष के लिए महत्वपूर्ण होता है, उतना ही वर पक्ष के लिए भी होता है। ऐसे में ध्यान रहे कि आप तस्वीरें खींचने में जितनी मेहनत दुल्हन के लिए करते हैं, उतनी ही दूल्हे के लिए भी करें। इस बार हम आपको ग्रूम फोटोग्राफी के बारे में बताएंगे कि ग्रूम फोटोग्राफी के दौरान किन चीजों का ध्यान रखकर आप बेहतर ढंग से तस्वीरें खींच सकते हैं।

ब्राइड जितना ही ग्रूम फोटोग्राफी को दें महत्व

दुल्हन को शूट करते वक्त हम अक्सर भूल जाते हैं कि उसके अलावा दूल्हा भी है जो सज रहा है या जिसे तैयार किया जा रहा है। दुल्हन के अलावा शादी की फोटो एलबम में अगर किसी का सबसे ज्यादा ध्यान होता है तो वह है दूल्हा। ऐसे में फोटोशूट के दौरान दूल्हे को शूट करना न भूलें। अक्सर देखने में आता है कि दुल्हन को शूट करने के बाद फोटोग्राफर सीधे शादी के वेन्यू पर पहुंच जाता है। हालांकि, सभी वेडिंग फोटोग्राफर्स को यह समझना जरूरी है कि ब्राइड फोटोग्राफी जितनी जरूरी है उतनी ही जरूरी ग्रूम फोटोग्राफी भी है क्योंकि शादी के लिए जितनी तैयारियां लड़की वालों के घर में होती है उतनी ही लड़के वालों के घर में भी होती है। शादी के दौरान लड़की के घर में कैसी तैयारियां थीं, यह जानने के लिए जितना दूल्हा और उसके घरवाले उत्सुक रहते हैं उतना ही लड़के के घर की तैयारियां और दूल्हे को तैयार होते हुए लड़की और उसके घरवाले देखना चाहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि जैसे ही मौका मिले फोटोग्राफर को दूल्हे के शूट के लिए खुद को तैयार कर लेना चाहिए क्योंकि महिलाओं की तुलना में पुरूष तस्वीरें खिंचाने को लेकर ज्यादा सहज होते हैं।

ऐसे करें ग्रूम फोटोशूट

तैयार होते हुए :

ग्रूम फोटोग्राफी की शुरूआत दूल्हे को तैयार होते हुए तस्वीरों में कैद करने से हो सकती है। ऐसे में फोटोग्राफर दूल्हे के कमरे में जाकर जूम से लेकर वाइड शॉट्स ले सकता है। खास बात यह है कि फोटोशूट नेचुरल दिखे उसके लिए दूल्हे से कहें कि वह कैमरे की ओर जरा भी ध्यान न लगाए। वह जैसे अपनी तैयारी कर रहा है वैसे ही करता रहे। शूट के दौरान फ्लैश के बजाय नेचुरल लाइट्स का इस्तेमाल करें, ताकि किसी भी तरह की डिस्टर्बेंस न हो।

दूल्हे का दोस्तों के साथ मस्ती करते हुए :

शादी अगर खुशी का मौका है तो वह तस्वीरों में भी नजर आना चाहिए। ऐसे में शादी के दौरान दोस्तों के साथ मस्ती करते हुए दोस्तों की फोटोज जरूर क्लिक करें। इसमें एक दूसरे को छेड़ते या फिर मजाक बनाते हुए या फिर साथ में हंसते हुए नेचुरल शॉट्स लेने की कोशिश करें।

दोस्तों संग खुशियां :

शादी जैसे मौके पर अगर दूल्हा अपने दोस्तों के साथ सॉफ्ट ड्रिंक या फिर बियर शेयर करता हुआ नजर आता है तो उसे खूबसूरती के साथ कैमरे में कैद करें। इस तरह का फोटोशूट दूल्हे की नर्वसनेस दूर करने में मदद करेगी। यूं तो दूल्हे ने अपने दोस्तों के साथ ऐसे कई खुशी के पल बिताए होंगे लेकिन शादी जैसे मौके पर इस तरह की तस्वीरें न सिर्फ यादगार बन जाती हैं बल्कि हमेशा के लिए उसके चेहरे पर मीठी सी मुस्कान छोड़ जाती है।

कमरे से निकलने से पहले :

गेस्ट के सामने पहुंचने से पहले और कमरे से निकलने से पहले अक्सर दोस्त या घरवाले दूल्हे को फाइनल टचअप दे रहे होते हैं। ऐसे में बो टाई लगाते हुए या फिर सूट को बटन करते हुए जैसे अलग-अलग फ्रेम शूट किए जा सकते हैं। इसमें दूल्हे के साथ बात करते हुए वहां बैठे आसपास के लोगों की नेचुरल स्माइल को कैमरे में कैद करने का अच्छा मौका होता है। इसके अलावा दूल्हे की शेरवानी से लेकर सूट को अलग-अलग एंगल से खींचें जिससे पूरी डिटेलिंग नजर आए। साथ ही कमरे से निकलने से पहले उसके चेहरे पर दिखने वाली चिंता, खुशी, उत्साह और एक्साइटमेंट जैसे इमोशंस को जरूर कैमरे में कैद करें।

एक प्यार भरी नजर :

कमरे से निकलने और गेस्ट के सामने पहुंचने के बीच के समय को भी आप तस्वीरों के जरिए कैद कर सकते हैं जब सभी का ध्यान दूल्हे की ओर होता है। दूल्हे के साथ उसके दोस्तों का अलग से फोटोशूट करें। इन सबके इतर सबसे महत्वपूर्ण पल आता है जब दूल्हा और दुल्हन एक दूसरे के सामने आते हैं। इस रोमांटिक पल को कैद करना सबसे महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इसमें उनकी सारी खुशियां छिपी होती हैं। दूल्हे का दुल्हन की ओर देखने वाले पल को कैद करना उस तस्वीर को हमेशा के लिए कभी न भूलने वाली याद बना देता है। इस तरह के शॉट्स के दौरान अक्सर रिश्तेदार और घरवाले फोन से तस्वीरें लेने में जुट जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप खुद को पहले से ऐसी जगह पर जमा लें जहां से आसानी से और अच्छे शॉट्स लिए जा सकें।

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेलः mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in